Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus ,

Devprayg -249301

I.C.P.R. Sponsored 10 Days International Virtual Text Reading

Workshop on *Navya-Nyāya-bhāṣā*-pradīpa

November 11th – 20th , 2021

(4.00 PM to 6.00 PM)

Tentative Lesson Plan

Lecture No.	Chapter No. / Time (45 Minute Lecture and 15 Minute Discussion)	Page No. from to	Date	Name of Guests/ Resource persons	
1.	**Inaugural Function (3.00 to 4.30)** (उद्घाटन-समारोह:) 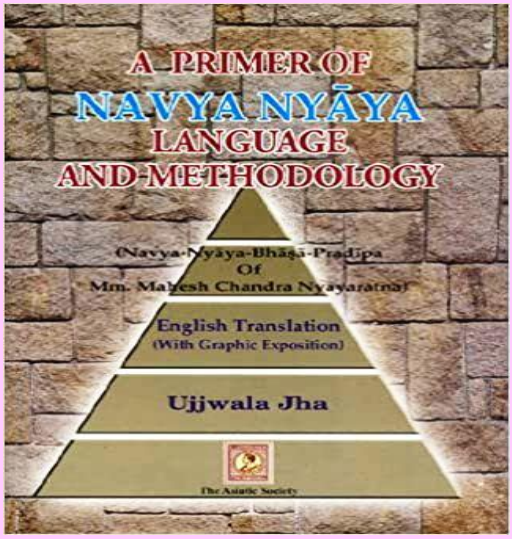		11.11.2021 (Day-1) गुरुवासर:		Prof. Shrinivas Varkhedi Vice Chancellor K.K.S.U, Ramtek Nagpur, Maharashtra
2.					Prof. Hareram Tripathi Vice Chancellor Sampuranand Sanskrit University, Varanashi
3.					Prof. Ujjwala Jha Former Director, Centre of Advanced Study in Sanskrit University of Pune , Pune- 411007
4.	1,2,3 (धर्म: .....अंशद्वयमस्ति) **(Session-II = 4..30 to 5.30)**	1-9			Prof. Piyush Kant Dikshit (Ex.V.C. U.S.U. Haridwar) Dept. of Nyaya Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi
5.	4,5,6 (यस्यांश .....सिद्धान्तितम्) **(4.00 to 5.00)**	10-15	12.11.2021 (Day-2) शुक्रवासर:		Prof. Ram Nath Jha School of Sanskrit and Indic Studies , J.N.U., New Delhi
6.	7,8,9 (सम्बन्ध...संयोगादेरपायदर्शनात्) **(Session-II= 5.00 to 6.00)**	16-25			
7.	10,11,12 (संयोगश्च....तिष्ठन्तीति) **(4.00 to 5.00)**	26-31	13.11.2021 (Day-3) शनिवासर:		Dr. Vishwanath Dhital Assistant Professor Department of Humanistic Studies IIT (BHU) Varanasi
8.	13,14,15 (परम्परा...प्रयोगो अपि भवति) **(Session-II =5.00 to 6.00)**	32-37			

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus ,

Devprayg -249301

9.	16,17,18 (यस्मिंश्च...प्रतीतिः) (4.00 to 5.00)	38-42	14.11.2021 (Day-4) रविवासरः		Prof. Bishnupada Mahapatra Dept. of Nyaya Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi
10.	19,20,21 (अयं न...तिष्ठन्तीति।) (Session-II =5.00 to 6.00)	43-51			
11.	22,23,24 (सम्बन्धो...पर्यवसीयते।) (4.00 to 5.00)	52-61	15.11.2021 (Day-5) सोमवासरः		Prof. Rampujan Panday Department of Nyaya Vaisheshik Sampuranand Sanskrit University, Varanasi (U.P.)
12.	25,26,27 (सम्बन्धवद्.....इत्यर्थः) (Session-II =5.00 to 6.00)	62-77			
13.	28,29,30 (सम्बन्धस्य.....स्यात्) (4.00 to 5.00)	78-87	16.11.2021 (Day-6) मंगलवासरः		Dr. Dhananjaya Rao Director Ved- Vedanta Adhyayan & Sodh Sansthanam, New Delhi
14.	31,32,33 (वृतित्ता....अव्याप्यवृत्तिः) (Session-II =5.00 to 6.00)	88-94			Dr. Udayana Hegde Assistant Professor Dept . of Vyakarana National Sanskrit University, Tirupati (A.P.)
15.	34,35,36 (अव्याप्यवृत्ति....घटो नास्ति) (4.00 to 5.00)	95-100	17.11.2021 (Day-7) बुधवासरः		Prof. Mahanand Jha Dept. of Nyaya Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi
16.	37, 38,39 (स्थूलत.....अभावः।) (Session-II=5.00 to 6.00))	101-109			
17.	40, 41, 42 (येन ....अन्यदपि ज्ञेयम्।) (4.00 to 5.00)	110-114	18.11.2021 (Day-8) गुरुवासरः		Dr. Kunj Bihari Dwivedi Assistant Professor Department of Nyaya-Vaisheshik Sampuranand Sanskrit University, Varanashi
18.	43,44,45 (अवच्छेदक....बुद्धिर्भवति।) (Session-II =5.00 to 6.00)	115-121			Dr. Ganeshwar Jha Assistant Professor (Vyakaran) Central Sanskrit University, Agartala Campus, Agartala (Tripura)
19.	46,47,48 (विशेष्य.....उक्तप्रायमेव।) (4.00 to 5.00)	122-128	19.11.2021 (Day-9) शुक्रवासरः		Dr. OGP Kalyana Shastri Assistant Professor Dept. of Sabdha bodha National Sanskrit University, Tirupati (A.P.)

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus ,

Devprayg‌ -249301

20.	**49,50,51** (विशेषणं...... न मुख्या।) **(Session-II =5.00 to 6.00)**	**129-132**			**Dr. JayaManikya Shastri** **Associate Professor** **Department of Nyaya** **Shree Jagannath Sanskrit University, Puri, odisha**
21.	**52,53,** (पुनश्चज्ञानं .....इत्यलम्।) **(4.00 to 5.00)**	**133-137**	**20.11.2021** **(Day-10)** शनिवासर:		**Shri Janardan Suvedi** **Asssistant Professor (GT)** **Dept. of Nyaya Philosophy** **Shri Raghunath Kirti Campus** **Devprayag-249301**
22.	**Valedictory Function** **(सम्पूर्तिसमारोह:) (Session-II)** **(5.00 to 6.00)** 				**Prof. Sachchidanand Mishra** **Member Secretary** **ICPR , New Delhi**
23.					**Prof. V.N. Jha** **Former Director,** **Centre of Advanced Study in Sanskrit, University of Pune ,** **Pune- 411007**
24.					**Prof. Banmali Biswal** **Former Director** **H.O.D. (Vyakaran)** **Shri Raghunath Kirti Campus** **Devprayag-249301**

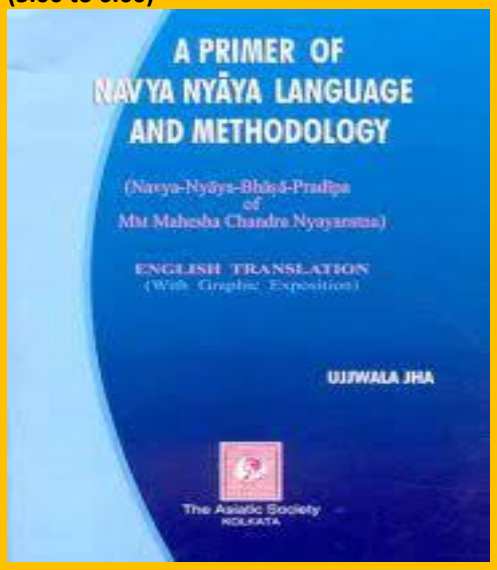

Technical Coordinators

(Shri Naveen Dobriyal)

(Shri Pankaj Kotiyal)

Assistant Coordinators

(Dr. Shri Om Sharma)

(Dr.Anil Kumar)

(Dr.Shailendra Uniyal)

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Convenor

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

नियमा:-1.कार्यशालायां पञ्जीकरणं नि:शुल्कं विद्यते। 2.कार्यशालायां छात्रा: / शोधार्थिन: / अध्यापकाश्च भागं ग्रहीतुं शक्नुवन्ति। 3.प्रमाणपत्राय न्यूनतमा 80% उपस्थिति:, प्रतिपुष्टिसमर्पणम् **(feedback)** अभ्यासकार्यं तथा परिचयपत्रञ्च अपेक्षितं वर्तन्ते।

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः

भारतीयदार्शनिकानुसंधानपरिषदः वित्तीयसहाय्येन

आन्तरिकगुणवत्ता-आश्वासनप्रकोष्ठेन सह न्यायविभागस्य संयुक्ततत्त्वावधाने

'नव्यन्यायभाषाप्रदीप' इति ग्रन्थमधिकृत्य दशदिवसीया अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रिया कार्यशाला

(11.11.2021 दिनाङ्कात् 20.11.2021 पर्यन्तम्)

.....

नव्यन्यायभाषाप्रदीपकार्यशाला : प्रतिवेदनम्

.....

समय	दिनाङ्क - 11.11.2021 का विवरण
(प्रथम सत्र) 3.00 से 4.30 तक	उद्घाटन समारोह- केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग उत्तराखण्ड में भारतीय-दार्शनिक-अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली की वित्तीयसहायता से न्यायविभाग एवं आन्तरिक-गुणवत्ता-आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में महामहोपाध्याय महेशचन्द्रन्यायरत्न द्वारा विरचित नव्यन्यायभाषाप्रदीपग्रन्थ पर दस दिवसीय अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटनसमारोह 11/11/2021 को मध्याह्न 3.00 से 4.30 तक बजे तक आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. शैलेन्द्र प्रसाद उनियाल, वेदविभागाध्यक्ष, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर ने किया। वैदिकमंगलाचरण परिसर के वेदविभागीय आचार्य श्री अमन्दमिश्र ने एवं लौकिक मंगलाचरण साहित्य विभागीय आचार्य डॉ. अनिलकुमार ने किया। स्वागतभाषण परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने किया। उद्घाटनसमारोह में विशिष्टवक्ता व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली बिश्वाल ने न्यायशास्त्र को सर्वविद्याओं का प्रकाशक बताते हुए, न्यायशास्त्र का इतिहास, न्यायाचार्यों का परिचय एवं नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ की विशेषताओं को संस्कृत में स्वरचित काव्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। उद्घाटनसमारोह में मुख्यवक्ता के रूप में कविकुलगुरुकालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवासवरखेडी जी ने न्यायशास्त्र

	की प्रासंगिकता तथा नव्यन्याय भाषा के व्यवहारिक उपयोग पर प्रकाश डाला। आपने श्रुति, स्मृति, युक्ति तथा भक्ति परम्परा पर प्रकाश डालते हुए न्यायशास्त्र के लक्षण प्रदिपादन, परिस्कार पद्धति की सार्थकता लौकिक उदाहरणों के द्वारा सिद्ध की । उद्घाटन समारोह में सारस्वतातिथि के रूप में उच्चतर संस्कृताध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे की पूर्वनिदेशिका प्रो. उज्जवला झा ने प्रमाण का वास्तविक अर्थ तथा न्यायशास्त्र के प्रथम, द्वितीय सूत्र का सार, अपवर्ग प्राप्ति का उपाय एवं नव्य न्याय शास्त्रीय भाषा द्वारा असंदिग्ध अर्थबोधकता बताते हुए नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ की विशेषताओं का भी निरूपण किया। उद्घाटन समारोह में नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ का विस्तृत परिचय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने दिया। उन्होंने न्यायशास्त्र का इतिहास बताते हुए नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ तथा उसकी टीकाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसरीय माननीय निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री जी ने किया। सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन श्रीजनार्दन सुवेदी प्राध्यापक, न्यायविभाग ने किया ।
4.30 से 5. 30 तक (द्वितीय सत्र)	दिनांक 11.11.2021 को प्रथम दिवस की प्रथम कक्षा में कार्यशाला समन्वयक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित, पूर्वकुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, सम्प्रति आचार्य, न्यायविभाग, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली एवं सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। निर्धारित समय सारिणी के अनुसार प्रथम दिवस के पाठ का अध्यापन प्रो. पीयूष कान्त दीक्षित, पूर्वकुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं सम्प्रति आचार्य, न्यायविभाग श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय नयी दिल्ली ने किया। आपने नव्यन्यायभाषाप्रदीप मूल ग्रन्थ के पाठांश **1,2,3 (**धर्मः .....अंशद्वयमस्ति) का ग्रन्थानुसार व्याख्यान किया । आपने धर्मी की परिभाषा, धर्म के दो भेद, जाति, उपाधि एवं सखण्डोपाधि, अखण्डोपाधि के बारे में विस्तृत व्याख्या की एवं सामान्य (जाति) के लक्षण एवं न्यायमतानुसार अन्य 16 पदार्थों से अवगत कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया। श्री जनार्दन सुवेदी, प्राध्यापक न्यायविभाग ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं प्रतिभागियों धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला समन्वयक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ प्रथम दिवस की कक्षा (द्वितीय सत्र) का समापन हुआ।

	दिनाङ्क -12.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय दिवस की प्रथम कक्षा में कार्यशाला समन्वयक एवं न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग ने प्रो. रामनाथ झा, आचार्य संस्कृत एवं प्राच्य विद्या विभाग एवं सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। कार्यशाला के द्वितीय दिवस की कक्षा सञ्चालन परिसर के वेदविभागीय प्राध्यापक डॉ. अमन्द मिश्र ने किया। द्वितीय दिवस के प्रथम कालांश में निर्धारित नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के पाठ्यांश **4,5,6 (** यस्यांश .....सिद्धान्तितम्) का अध्यापन प्रो. रामनाथ झा, आचार्य, संस्कृताध्यन विभाग, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय ने विस्तृत व्याख्यान दिया। आपने प्रथम कक्षा में मूल ग्रन्थ के पाठांश **4,5,6 (** यस्यांश .....सिद्धान्तितम्) का व्याख्यान करते हुए सम्बन्ध के दो भेद (साक्षात् और परम्परा) आदि विषय को नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ के अनुसार पढाया एवं आपने बताया कि सामान्य (जाति) का स्वरूपतः तथा किञ्चिद्धर्मपुरस्कारेण ज्ञान होता है। आपने संयोग, समवाय, दैशिक, कालिक आदि सम्बन्धों की व्याख्या करते हुए प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान किया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय कालांश में पूर्व निर्धारित समय सारिणी के नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के पाठ **7,8,9 (** सम्बन्ध...संयोगादेरपायदर्शनात्) के अनुसार निर्धारित पाठ्यांश का अध्यापन प्रो. रामनाथ झा, आचार्य, संस्कृताध्यन विभाग, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली ने कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया । कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला समन्वयक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क -13.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	तृतीय दिवस में परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने डॉ. विश्वनाथ धिताल एवं सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। कक्षा का सञ्चालन न्यायविभागीय प्राध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदीजी ने किया। तृतीय दिवस में नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के प्रथम कालांश में निर्धारित पाठ्यांश **10,11,12 (** संयोगश्च....तिष्ठन्तीति) पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भारतीय प्रौद्यौगिकी संस्थान (IIT) के मानवतावादी अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विश्वनाथ धिताल ने व्याख्यान दिया । आपने संयोग, स्वरूप तथा परम्परासंबन्ध आदि निर्धारित विषयों को ग्रन्थ के अनुसार पावर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन (PPT) एवं प्रतिभागियों के साथ संवाद के माध्यम से अध्यापन कराया।

	आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय कालांश में पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्धारित पाठ्यांश **13,14,15 (** परम्परा...प्रयोगो अपि भवति) नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित पाठ्यांश का अध्यापन डॉ. विश्वनाथ धिताल, सहायक आचार्य, मानवतावादी अध्ययन विभाग, (IIT) काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क -14.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	कार्यशाला के चतुर्थ दिवस में परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने डॉ. विष्णुपदमहापात्र, आचार्य, न्याय विभाग, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली एवं सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। चतुर्थ दिवस की कक्षा का सञ्चालन व्याकरणविभागीय आचार्य डॉ. श्री ओम शर्मा जी ने किया। चतुर्थ दिवस के लिए नव्यन्यायभाषाप्रदीप के निर्धारित पाठ **16,17,18 (** यस्मिंश्च... प्रतीति:) को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली के न्यायविभाग के आचार्य प्रो. विष्णुपदमहापात्रजी ने पढाया। उन्होंने वृत्तिनियामक तथा वृत्यनियामक संबन्धों का तथा ग्रन्थ के अनुसार निर्धारित विषयों विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय कालांश में पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित पाठ **19,20,21 (**अयं न...तिष्ठन्तीति।) का अध्यापन प्रो. विष्णुपदमहापात्र, आचार्य, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली ने कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान किया एवं प्रतिभागियों से संवाद भी किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया । सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क -15.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश)	पञ्चम दिवस में परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने प्रो. रामपूजन पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, न्याय विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं

4.00 से 5.00 तक	सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। कक्षा का सञ्चालन, व्याकरणविभागीय सहायक आचार्य डॉ. मनीष शर्मा ने किया। पञ्चम दिवस में नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित पाठ्यांश **22,23,24 (**सम्बन्धो...पर्यवसीयते।) पर सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के न्यायविभागाध्यक्ष, प्रो. रामपूजन पाण्डेय जी विस्तृत व्याख्यान दिया। आपने सम्बन्ध की व्याख्या के दौरान प्रतियोगी, अनुयोगी तथा अभाव के प्रतियोगी अनुयोगी..इत्यादि विषयों का ग्रन्थानुसार अध्यापन कराया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय कालांश में पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित पाठ्यांश **25, 26, 27 (** सम्बन्धवद्.....इत्यर्थः) का अध्यापन प्रो. रामपूजन पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, न्याय-वैशेषिक दर्शन, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद विज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क -16.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	छठे दिवस में परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने डॉ. धनञ्जय राव निदेशक, वेदवेदान्ताध्यन एवं शोध संस्थान, नवदेहली सहित सभी प्रतिभागियों का अभिनन्दन किया। कक्षा का सञ्चालन न्यायविभागीय आचार्य डॉ. जर्नादन सुवेदी ने किया। प्रथम सत्र मे 4.00 से 5.00 तक वेदवेदान्ताध्ययन एवं शोधसंस्थान, नवदेहली के निदेशक डॉ. धनञ्जय रावजी ने नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित विषय **28,29,30 (**सम्बन्धस्य.....स्यात्) का अध्यापन किया, उन्होंने अभावीय प्रतियोगितावच्छेदकसम्बन्ध तथा प्रकारतावच्छेदकसम्बन्धादि का परिचय ग्रन्थानुसार कराया एवं विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय सत्र में डॉ. उदयन हेगडे, सहायकाचार्य, व्याकरणविभाग, राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति ने निरूप्यनिरूपकभावादि सम्बन्ध के विषय में नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित पाठ **31, 32, 33 (**वृतित्ता....अव्याप्यवृत्तिः) पर विस्तृत व्याख्यान दिया । प्रतिभगियों के साथ चर्चा करते हुए ग्रन्थ के निर्धारित विषयों को पावर पोइन्ट प्रजेन्टेशन (PPT) प्रस्तुत करते हुए पढाया । इस प्रकार षष्ठ दिवस में दो आचार्यों ने अध्यापन कराया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के

	न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्दस्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।
	दिनाङ्क -17.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	सप्तम दिवस में परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने प्रो. महानन्द झा, न्यायविभागाध्यक्ष, श्री लालबहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय का कार्यशाला में अभिनन्दन किया। कक्षा का सञ्चालन न्यायविभागीय अध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदीजी ने किया। नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित पाठांश **34, 35, 36 (**अव्याप्यवृत्ति....घटो नास्ति) को श्री लाल बहादुर राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय के न्यायविभागाध्यक्ष प्रो. महानन्द झा जी ने व्याख्यान दिया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	सप्तम दिवस द्वितीय सत्र में आपने नव्यन्यायभाषाप्रदीप के निर्धारित पाठ्यांश **37, 38, 39 (** स्थूलत.....अभाव:) प्रतियोगितावच्छेदक प्रकारतावच्छेदक संसर्गतावच्छेदक आदि पारिभाषिक शब्दों का परिचय करा कर ग्रन्थदिशा प्रतिपादन किया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क -18.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	आठवें दिवस में परिसर के कार्यशाला के समन्वयक न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने डॉ. कुञ्जबिहारी द्विवेदी, सहायकाचार्य, न्याय वैशेषिक विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी एवं सभी प्रतिभागियों का कार्यशाला में अभिनन्दन किया। कार्यशाला का सञ्चालन व्याकरणभागीय आचार्य डॉ. श्री ओम शर्माजी ने किया। प्रथम सत्र मे 4.00 से 5.00 तक सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय के न्याय वैशेषिक विभाग के आचार्य डॉ. कुञ्जबिहारी द्विवेदीजी ने निर्धारित पाठ्यांश **40, 41, 42 (**येन ....अन्यदपि ज्ञेयम्।) पर विस्तृत व्याख्यान दिया। आपने साध्यतावच्छेदक, हेतुतावच्छेदक सम्बन्ध तथा धर्मों का ज्ञान कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं प्रतिभागियों से संवाद भी किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय सत्र में 5 से 6 तक केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय अगरतला परिसर के व्याकरणविभागीय सहायक आचार्य डॉ. गणेश्वर नाथ झा जी ने अध्यापन कराया । आपने सविकल्पकप्रत्यक्ष एवं निर्विकल्पकप्रत्यक्ष आदि ज्ञानमीमांसा के मानने में प्रमाण को बताते हुए नव्यन्यायभाषाप्रदीप के निर्धारित पाठ्यांश **43,44,45 (**अवच्छेदक.... बुद्धिर्भवति।) पर विस्तृत व्याख्यान दिया एवं मूल पाठ का ग्रन्थदिशा अववोध कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्दस्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस प्रकार आठवें दिवस में भी दो सत्र में, दो आचार्यों ने अध्यापन कराया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र का समापन हुआ।
	दिनाङ्क -19.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	नवम दिवस में न्यायविभागाध्यक्ष, डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला का सञ्चालन व्याकरणभागीय आचार्य डॉ. मनीष शर्मा जी ने किया। नवम दिवस में भी दो सत्र मे दो आचार्यों ने अध्यापन कराया। प्रथम सत्र मे 4.00 से 5.00 तक राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति के आचार्य डॉ. OGP कल्याण शास्त्रीजी ने नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ के निर्धारित विषयों **46, 47, 48 (** विशेष्य... .....उक्तप्रायमेव।) पर पावर पोइन्ट प्रजेन्टेशन (PPT), White Board एवं चर्चा के माध्यम विस्तृत व्याख्यान दिया। विशिष्टज्ञान के विषय में एवं विशिष्ट वैशिष्ट्य ज्ञान के विषय में विशेष चर्चा करते हुए निर्धारित पाठ्यांश का अववोध कराया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	द्वितीय सत्र में जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. जयमाणिक्य शास्त्री जी **49,50,51 (**विशेषणं..... न मुख्या।) ने अध्यापन कराया उन्होंने विशेषण के सिद्ध और साध्य के रूप में दो भेद बताते हुए मुख्यप्रकारता एवं मुख्यविशेष्यता आदि विषयों का अववोधन कराया आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। इस प्रकार नौवें दिवस में भी दो सत्र में दो आचार्यों ने अध्यापन कराया। कार्यशाला के समन्वयक एवं परिसर के न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया।

	कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क -20.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	दशम दिवस में कक्षा का सञ्चालन श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के साहित्य विभाग, के सहायक आचार्य, डॉ. अनिल कुमार ने किया। तथा दशम दिवस में नव्यन्यायभाषाप्रदीप के निर्धारित पाठ **52 , 53 (** पुनश्चज्ञानं .....इत्यलम्।) को परिसर के ही न्यायविभाग के प्राध्यापक श्री जनार्दन सुवेदीजी ने पढाया। उन्होंने संशय का लक्षण तथा भेद ग्रन्थ के अनुसार अववोधन कराया। इस प्रकार नव्यन्याभाषाप्रदीप ग्रन्थ का दशम दिवस में अध्यापन समाप्त हुआ। आपने प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया एवं संवाद भी किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने चर्चा में भाग लिया एवं आवश्यक निर्देशों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।
(द्वितीय कालांश) 5.00 से 6.30 तक	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग उत्तराखण्ड में भारतीय-दार्शनिक-अनुसन्धान-परिषद्, नयी दिल्ली की सहायता से न्यायविभाग एवं आन्तरिक-गुणवत्ता-आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में न्यायविभाग द्वारा महामहोपाध्याय महेशचन्द्रन्यायरत्न द्वारा विरचित नव्यन्यायभाषाप्रदीपग्रन्थ पर दस दिवसीय अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का अयोजन किया गया, जिसका समापन समारोह 20/11/2021 को सायं 5.00 से 6.30 तक बजे तक आयोजित किया गया था। सम्पूर्तिसमारोह मे सञ्चान डॉ. अनिल कुमार, सहायक आचार्य, साहित्य, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर ने किया। वैदिकमंगलाचरण परिसर के वेदविभागीय आचार्य श्री अमन्द मिश्र जी ने एवं लौकिक मंगलाचरण व्याकरण विभागीय आचार्य डॉ. मनीष शर्मा ने किया। स्वागत भाषण परिसरीस न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने किया। समापनसमारोह में न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने नव्यन्याभाषाप्रदीप कार्यशाला का विस्तृत प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। सम्पूर्ति समारोह में विशिष्टवक्ता परिसरीय व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली बिश्वाल ने न्यायशास्त्र को सर्वविद्याओं का प्रकाशक बताते हुए, न्यायशास्त्र का इतिहास तथा न्यायाचार्यों का परिचय एवं नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ की विशेषताएं भी स्वरचित काव्य के माध्यम से प्रस्तुत की। मुख्यवक्ता के रूप मे उच्चतरसंस्कृताध्ययनकेन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे की पूर्वनिदेशक प्रो. वशिष्टनारायण झा थे, उन्होंने न्यायशास्त्र का उपयोग तथा न्यायशास्त्र के लक्षण में जो परिस्कार पद्धति है, उसकी सार्थकता लौकिक

	उदाहरणपूर्वक सिद्ध की तथा श्रुति, स्मृति, युक्ति तथा भक्ति परम्परा पर भी प्रकाश डाला। आपने नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ का अन्तर्राष्ट्रिय भाषाओं (यथा अंग्रेजी, फ्रेंच, जपानीज) में अनुवाद करने एवं पढाने पर बल दिया। ताकि भारतीय विद्वानों के कार्य विश्वपटल पर प्रकाशित हो सकें। साथ ही न्यायशास्त्रीय ग्रन्थों का प्रान्तीय क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने का निवेदन किया ताकि न्यायशास्त्र का सम्प्रसार जन भाषाओं में हो सकें एवं न्यायशास्त्र के द्वारा वैज्ञानिक एवं तार्किक चिन्तन का विकास हो सकें। समापन समारोह में सारस्वतातिथि के रूप में भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद के सदस्य सचिव, प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र ने नव्यन्याय की भाषा का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए न्यायशास्त्र की टीका परम्परा, प्रमाण आदि का वास्तविक अर्थ, न्यायशास्त्र में असंदिग्धार्थबोधकत्व बताते हुए नव्यन्यायभाषाप्रदीपग्रन्थ की विशेषताओं का भी निरूपण किया। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसरीय माननीय निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री जी ने किया। आपने भी न्यायशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने न्यायशास्त्र का इतिहास बताते हुए नव्यन्याभाषाप्रदीकग्रन्थ तथा उसकी टीकाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन परिसर के न्यायविभागीय अध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदी ने किया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।

डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही
समन्वयक,
सह-आचार्य, न्यायविभाग
श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर,
देवप्रयाग-249301

प्रो. विजयपालशास्त्री
निदेशक,

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः

भारतीयदार्शनिकानुसंधानपरिषद: वित्तीयसहाय्येन

आन्तरिकगुणवत्ता-आश्वासनप्रकोष्ठेन सह न्यायविभागस्य संयुक्ततत्त्वावधाने

'नव्यन्यायभाषाप्रदीप' इति ग्रन्थमधिकृत्य दशदिवसीया अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रिया कार्यशाला

(11.11.2021 दिनाङ्कात् 20.11.2021 पर्यन्तम्)

.....

नव्यन्यायभाषाप्रदीपकार्यशाला : चित्रावली

.....

समय	दिनाङ्क - 11.11.2021 का विवरण
(प्रथम सत्र) 3.00 से 4.30 तक	उद्घाटन समारोह-

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः

भारतीयदार्शनिकानुसंधानपरिषदः वित्तीयसहाय्येन

आन्तरिकगुणवत्ता-आश्वासनप्रकोष्ठेन सह न्यायविभागस्य संयुक्ततत्त्वावधाने

'नव्यन्यायभाषाप्रदीप' इति ग्रन्थमधिकृत्य दशदिवसीया अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रिया कार्यशाला

LIVE (11.11.2021 दिनाङ्कात् 20.11.2021 पर्यन्तम्) zoom

(सायं 4.00 तः 6.00 वादनपर्यन्तम्)

सञ्चालकाः

01.	11 नवम्बर 2021		डॉ. शैलेन्द्र उनियालः वेदविभागाध्यक्षः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः,देवप्रयागः
02.	12 नवम्बर 2021		डॉ. अमन्दमिश्रः प्राध्यापकः, वेदविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः
03.	13 नवम्बर 2021		श्रीजनार्दनसुबेदी प्राध्यापकः, न्यायविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः,देवप्रयाग
04.	14 नवम्बर 2021		डॉ. श्री ओमशर्मा प्राध्यापकः, व्याकरणविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः
05.	15 नवम्बर 2021		डॉ. मनीष शर्मा प्राध्यापकः, व्याकरणविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः
06.	16 नवम्बर 2021		डॉ. दिनेशचन्द्रपाण्डेयः प्राध्यापकः, साहित्यविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः
07.	17 नवम्बर 2021		श्रीजनार्दनसुबेदी प्राध्यापकः, न्यायविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयाग
08.	18 नवम्बर 2021		डॉ. श्री ओमशर्मा प्राध्यापकः, व्याकरणविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः
09.	19 नवम्बर 2021		डॉ. सुरेश शर्मा प्राध्यापकः, ज्योतिषविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः
10.	20 नवम्बर 2021		डॉ. अनिलकुमारः प्राध्यापकः, साहित्यविभागः श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः

(डॉ. सच्चिदानन्दस्नेही)
समन्वयकः

(प्रो. विजयपालशास्त्री)
निदेशकः

4.30 से 5.30 तक (द्वितीय सत्र)	
	दिनाङ्क -12.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	

	दिनाङ्क -13.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	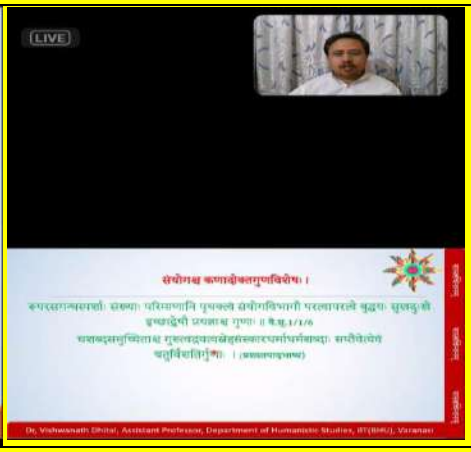
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
	दिनाङ्क -14.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	

	दिनाङ्क -15.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
	दिनाङ्क -16.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	

	दिनाङ्क -17.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	15. 34,35,36 (अव्याप्यवृत्ति....घटो नास्ति) (4.00 to 5.00) 95-100 16. 37, 38,39 (स्थूलत.....अभाव:।) (Session-II=5.00 to 6.00)) 101-109 17.11.2021 (Day-7) बुधवासर: Prof. Mahanand Jha Dept. of Nyaya Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
	दिनाङ्क -18.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	40, 41, 42 (येन ....अन्यदपि ज्ञेयम्।) (4.00 to 5.00) 110-114 18.11.2021 (Day-8) गुरुवासर: Dr. Kunj Bihari Dwivedi Assistant Professor Department of Nyaya-Vaisheshik Sampuranand Sanskrit University, Varanashi
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	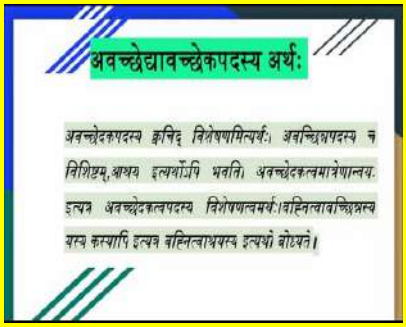 43,44,45 (अवच्छेदक....बुद्धि र्भवति।) (Session-II =5.00 to 6.00) 115-121 Dr. Ganeshwar Jha Assistant Professor (Vyakaran) Central Sanskrit University, Agartala Campus, Agartala (Tripura)

	दिनाङ्क -19.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	19. 46,47,48 (विशेष्य.....उक्तप्रायमेव।) (4.00 to 5.00) 122-128 19.11.2021 (Day-9) शुक्रवासरः Dr. OGP Kalyana Shastri Assistant Professor Dept. of Sabdha bodha National Sanskrit University, Tirupati (A.P.)
(द्वितीय कालांश) 4.00 से 5.00 तक	
	दिनाङ्क -20.11.2021 का विवरण
(प्रथम कालांश) 4.00 से 5.00 तक	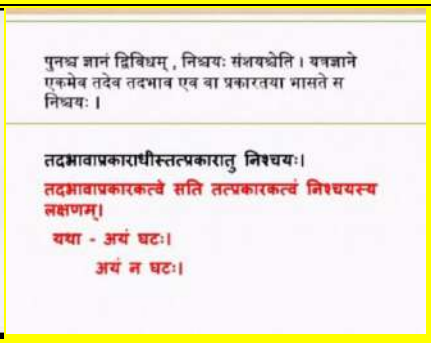

(द्वितीय कालांश) 5.00 से 6.30 तक

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः

'नव्यन्यायभाषाप्रदीपः' इति ग्रन्थमधिकृत्य

दशदिवसात्मिका अन्तर्राष्ट्रिया अन्तर्जालीया मूलपाठाध्ययनकार्यशाला

(11.11.2021 दिनाङ्कतः 20.11.2021 पर्यन्तम्)

सम्पूर्तिसमारोहः (20.11.2021, 5.00 वादनतः)

LIVE

कार्यक्रमावली

zoom

01.	सञ्चालकः		
02.	वैदिकमङ्गलाचरणम्		2 निमेषौ
03.	लौकिकमङ्गलाचरणम्		2 निमेषौ
04.	स्वागतं प्रतिवेदनञ्च		10 निमेषाः
05.	विशिष्टवक्तव्यम्		20 निमेषाः
06.	मुख्यातिथेः आशीर्वचनम्		25 निमेषाः
07.	सारस्वतातिथेः भाषणम्		20 निमेषाः
08.	अध्यक्षीयम्		10 निमेषाः
09.	धन्यवादज्ञापनम्		2 निमेषौ

(डॉ. सच्चिदानन्दस्नेही) समन्वयकः

(प्रो. विजयपालशास्त्री) निदेशकः

डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही
समन्वयक,

(प्रो. विजयपालशास्त्री)
निदेशक,